दृष्टि The Vision

Mentorship Program
Nehru Vihar

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

GENERAL STUDIES

Name of Candidate:	Jeshukant	Subject/Code:	2401 (test 1)
UPSC Roll No:	49	Date:	
Drishti Id:		E-mail Id:	
Centre:	Nehru Vihar	Medium:	Hindi

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 00

(To be filled by Evaluator only)		
Q. No.	**Max. Marks**	**Marks Obtained**
1.	10	
2.	10	
3.	10	
4.	10	
5.	10	
6.	15	
7.	15	
8.	15	
9.	15	
10.	15	
Total:	**125**	

INSTRUCTION

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख प्रवेश प्रमाण-पत्र में किया गया है। इसका उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर दिए गए स्थान पर स्पष्ट रूप से किया जाना चाहिए। अधिकृत माध्यम के अलावा किसी अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।
- प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ भी निर्दिष्ट की गई हो, का पालन किया जाना चाहिए।
- उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा गया कोई भी पृष्ठ या पृष्ठ का कोई भाग स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- All the questions are compulsory.
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only			
Time Taken	**Start Time:** **End Time:**	**Student Signature**	
Mode of Examination	**Online** ☐ **Offline** ☐		

For Office Use Only				
Evaluators Code	**Evaluator Sign**	**Evaluation Date**	**Reviewers Code**	**Reviewers Sign**

Student's Feedback

Sr. No	Parameter	Poor	Average	Good	Excellent
1.	Handwriting & Grammar				
2.	Introduction				
3.	Meeting Demand				
4.	Conceptual Clarity				
5.	Structure & Presentation				
6.	Value Addition				
7.	Flow Chart/Diagram				

Area of Strength

Area of Improvement

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Ans 1

प्रबोधन के चिंतन का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिणाम औद्योगिक क्रांति के रूप में सामने आया और विश्व आधुनिक जगत में प्रवेश कर गया, जिसका प्रणेता ब्रिटेन बना।

प्रबोधन और पुनर्जागरण की चिंतन पद्धति से पाश्चात्य यूरोप समकालीन तौर पर प्रभावित थे, लेकिन औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम ब्रिटेन में होने के निम्नलिखित कारकों का योगदान रहा—

1. प्रबोधन का चिंतन →
   - व्यक्तिगत साहस पर बल
   - वैज्ञानिक चिंतन पद्धति
   - मानवतावाद
2. कारखाना क्रांति – ब्रिटेन में कुटीर उद्योगों के पतन से कारखाना उद्योगों की स्थापना हुई।
   - A. एक स्थान में अनेक मजदूर
   - B. गोदाम की व्यवस्था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. वैज्ञानिक क्रांति – रेलवे का विकास, सूतिवस्त्र कातने की तकनीक, रंगाई तकनीक आदि। इसी संदर्भ में कहा गया –

> " वैज्ञानिक क्रांति ब्रिटेन में सफल हुई क्योंकि, वहां के लोगों ने इसे अपनाया, बाकि जगह असफल हुई क्योंकि वहां के सरकार ने इसे अपनाया "

4. ब्रिटेन की स्थिति → द्वीपीय देश
   - जलवायु से कपास उद्योग प्रेरित
   - नौवहन व्यापार
   - सीमा संबंधी बाधाएं नहीं
   - मजबूत नौसेना

5. "गौरवपूर्ण क्रांति" के माध्यम से लोकतंत्र की स्थापना।
   - मध्यमवर्ग का प्रभाव

6. औपनिवेशिक साम्राज्य → भारत, अफ्रीका, अमेरिका आदि
   - सतत पूंजी और कच्चे माल का स्रोत + बाजार

इस प्रकार ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति किसी एक घटना का प्रभाव न होकर एक "trigger effect" था।

Feedback
(For official use only)

Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Ans 2 भारतीय लोक सेवा को "इस्पाती ढांचा" के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।

यह इस्पाती ढांचा, जहाँ तंत्र को बाह्य विपदाओं से बचाता है, वहीं इस ढांचे के भीतर भी विभिन्न चुनौतियाँ निहित हैं।

चुनौतियाँ

1. संभ्रांत वर्गीय विचार → आमजनता से जुड़ाव नहीं; → स्थानीय समस्याओं का ज्ञान नहीं

2. राजनीतिक दबाव → अस्थायी कार्यपालिका का स्थायी कार्यपालिका पर
↓
न्यायता का अभाव

3. अतिरेक आर्थिक सुरक्षा (eg) Art 312-313
↓
"जनदबाव का भय नहीं"
↓
लोकसेवकों को संवैधानिक सुरक्षा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. तकनीक के प्रति शिथिलता → भारत में व्याप्त "Digital Divide" के उपाद

5. भ्रष्टाचार संबंधी समस्या [Eg] पेपरलीक

सुधार के प्रयास

1. प्रशासनिक सुधार आयोग की स्थापना (1st, 2nd)
↓ विराजनीतिकरण
↓ अनियमित स्थानांतरण नहीं
↓ तकनीक कौशल

2. प्रकाश सिंह वाद से पुलिस तंत्र में सुधार + (संथानम समिति) → जांच तंत्र और L&O का अलगाव

3. मिशन कर्मयोगी → तकनीक कौशल उन्नयन

हालांकि, उचित मानवसंसाधन के अभाव, प्रशिक्षण के अभाव, नैतिक परीक्षा की कमी आदि कारणों से सुधारों में विफलता प्राप्त हुई है।

Feedback (For official use on
Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3.

Ans 3

शासन व्यवस्था एक व्यापक इकाई है, जिसके विभिन्न अंग होते है, राजनीतिक, न्यायिक, आर्थिक, इसी में एक महत्वपूर्ण अंग लोक सेवा के रूप में होता है।

भारतीय शासन व्यवस्था में लोक सेवाओं की भूमिका

1. बृहद क्षेत्र के लिए बृहद मानव संसाधन की आवश्यकता पूर्ति

↓

अखिल भारतीय सेवाओं का उदय

↓ क्षेत्रीय एकता स्थापित करने में

↓ प्रशासन को विशेषज्ञता

↓ केंद्र-राज्य सहयोग में कारक

2. सरकार और जनता के बीच सेतु के रूप में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जनता की आवश्यकताओं का ज्ञान → नीति निर्माण में भूमिका → विधायिका द्वारा जन आकांक्षी कानूनों की स्थापना

[eg] PDS → खाद्य सुरक्षा अधि. 2013

3. कल्याणकारी राज्य के दायित्वों की पूर्ति में → अभावग्रस्त जनता तक आवश्यक सेवाओं की पूर्ति

[eg] DPSPs

[eg] नमस्ते योजना

4. सामुदायिक प्रशासन → उच्च जनसंतुष्टी → राज्य पर जनता का विश्वास → विद्रोह व अशांति में कमी

[eg] सामुदायिक पुलिसिंग

इस प्रकार लोकसेवा देश के भीतर व्याप्त आंतरिक समस्याओं का समाधान कर सुचारु और सरल तंत्र की स्थापना का प्रयास करता है।

Feedback
(For official use only)

Introduction	
Content	
Structure & Presentation	
Value Addition	
Conclusion	
Marks Obtained	

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4.

Ans 4. किसी भी लोकतंत्र का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गतिविधि वहाँ होने वाली आवधिक-नियमित निर्वाचन प्रक्रिया होती है।

निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता यह सुनिश्चित करती है कि लोकतंत्र कितना मजबूत है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत यह दायित्व निर्वाचन आयोग को दिया गया है

- संसदीय चुनाव
- विधायक (राज्यविधानसभा)
- राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति

और राज्य निर्वाचन आयोग को स्थानीय निकाय के संदर्भ में।

हालांकि इन निर्वाचन आयोग के पास स्वतंत्र कार्यपालिका / मानव संसाधन की पर्याप्तता नहीं होती, अतः वे केंद्र व राज्य सरकारों के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

कर्मचारियों पर निर्भर होते हैं।

निर्वाचकीय पारदर्शिता में नौकरशाही की भूमिका

1. आचार संहिता के अनुपालन में
   [eg] प. बंगाल के पुलिस पर राजनीतिकरण का आरोप

2. EVM के उपयोग → अपर्याप्तता की स्थिति में रिजर्व EVM का प्रयोग + EVM की सुरक्षा का दायित्व ↓ tampering से

3. सभी उम्मीदवारों को समान महत्व
   ↓
   [eg] बनारस संसदीय क्षेत्र से रंगीला के नामांकन रद्द

4. अवैधानिक चुनावी प्रचार को रोकने में
   → [eg] शराब-साड़ी उपहार वितरण

5. वोटों की गिनती और परिणाम में देरी
   [eg] EC द्वारा पहली बार vote percent का देरी से सार्वजनिक करना।

चुनाव के संदर्भ में हमें अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन याद रहना चाहिए कि "पार्टियाँ आयेंगी जायेंगी किंतु यह देश बने रहना चाहिए।"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Feedback (For official use only)	
Introduction	
Content	
Structure & Presentation	
Value Addition	
Conclusion	
Marks Obtained	

drishti | दृष्टि The Vision

5.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Ans 5 नीतिशास्त्र, समाज में अपेक्षित नैतिक मूल्यों सिद्धांतों व आदर्शों के संदर्भ में व्यक्ति के आचरण का मूल्यांकन है।

नीतिशास्त्र के संदर्भ में यह प्रश्न नियमित तौर पर रहा है कि क्या यह ~~सार्वभौ~~ सार्वभौमिक हो सकता है? क्या इसमें पूर्ण सत्यता स्थापित हो सकती है?

इमैनुएल कांट जैसे विचारकों ने "सार्वभौमिक नैतिकता" का सिद्धांत प्रतिपादित किया।

↓

"एक समान परिस्थिति में सभी व्यक्ति द्वारा एक समान आचरण करना सार्वभौमिक सत्य है"

हालांकि, यह कथन में भी परिस्थिति एक महत्वपूर्ण कारक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विभिन्न समाज में आचरण संहिताओं को प्रभावित करने वाले कारक

1. कृषिमूलक समाज → अहिंसा का मूल्य
↓ ↕ VS.
[eg] बिहार में बौद्ध दर्शन का उदय

बंजर/जंगली क्षेत्र → [eg] आदिवासियों में शिकार का मूल्य

2. अत्यधिक जनसंख्या → प्रतिस्पर्धा का मूल्य

3. संसाधनों का अभाव → व्यापार-व्यवसाय का मूल्य [eg] → मारवाड़ में

4. पुरुष : महिला
अधिक तो बहुपति प्रथा — अधिक तो बहुपत्नी प्रथा [eg] योद्धा समाज

5. पूर्व में आध्यात्म का मूल्य, तो पश्चिमी सभ्यता में उपभोग का मूल्य।

इस प्रकार, समाज अपनी परिस्थिति के अनुरूप 'अपने सत्य' की पहचान करता है और उससे अपने नागरिकों के आचरण की जाँच करता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Feedback
(For official use only)

Introduction	
Content	
Structure & Presentation	
Value Addition	
Conclusion	
Marks Obtained	

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Ans 6 मानव सभ्यता के विकास क्रम में एक बुनियादी मूल्य के रूप में 'विश्वास प्रणाली' सामने आया, जिससे मानव प्रजाति एक समाज का रूप धारण कर पायी।

अतः समाज की उपलब्धि और अस्तित्व के विकास का होना आवश्यक है, इसी संदर्भ में आदिम समाज के निरपेक्ष स्वार्थ के संदर्भ में कहा जाता है कि –

"जब प्रत्येक मनुष्य, प्रत्येक मनुष्य का शत्रु था"

अतः कंफ्यूसियस जैसे विचारकों का मानना है कि समाज और नैतिकता, पारस्परिकता से ही स्थापित हो सकती है, जिसके लिए विश्वास भावना आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हमारे समय में व्यापक विश्वास की कमी का कारण

1. कम संसाधन और अधिक प्रतिभागी
↓
2. अत्याधिक प्रतिस्पर्धा से दौर से लाभ के लिए दूसरों को बड़ी हानी पहुंचाने का प्रयास
eg spamming, mobile scam, phising

3. अतिरेक पूंजीवादी समाज → प्रत्येक गतिविधि में लाभ के अंश को ढूंढ़ना
↓
eg Big4 (tech कंपनियां) द्वारा अनाधीकृत निजि डेटा का प्रयोग

4. समाज का राजनीतिकरण → धार्मिक, जातीय, भाषायी, आर्थिक
↓
आदि मुद्दों पर समाज के विभाजन का प्रयास जिससे आपसी विश्वास की कमी eg चुनाव में धार्मिक भाषण

5. सोशल मीडिया का प्रभाव → "Echochamber" की स्थापना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यापक विश्वास की कमी से वैयक्तिक व सामाजिक कल्याण पर प्रभाव

1. सहयोग व सहयता के मूल्यों का पतन
   - eg कोविड महामारी के दौरान सहायता नहीं

2. आपसी ~~मतभेद~~ अलगाव → सांप्रदायिक-नस्लीय दंगे
   - eg मणिपुर हिंसा

3. शरणार्थी समस्या का निदान नहीं
   - eg UK का रवांडा से समझौता
   - USA का Anti Immigration movement

4. गरीबों की सहयता नहीं
   - सामूहिक भोज/दान केवल सोशल मीडिया में ख्याति प्राप्त करने का साधन

5. सुभ्य समाज की स्थापना → विश्वास की कमी से fake News का आसानी से संचरण और कानून व्यवस्था के डगमगाने का भय।

इस प्रकार एक समाज व देश के रूप में हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी हमारे आपसी विश्वास और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों में वृद्धि करना है।

Feedback (For official use only)
Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Ans 7

सामाजिक व्यवस्था बनाये रखने के लिए और समाज की संधारणीयता के लिए मूल्य और नीतिशास्त्र जैसे कारकों की उपस्थिति अनिवार्य होती है।

मूल्य एक आदर्श है, जिसे व्यक्ति अपने चरित्र का हिस्सा बनाकर नैतिक गतिविधियाँ करता है, जिसे समाज द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाती है।

मूल्य

+ve
- विवेक
- सत्य, सुख
- पारदर्शिता
- सहयोग
- समानुभूति

-ve
- आधिनायकवाद
- सामंती
- ~~जाति~~
- बदला
- उपनिवेशवाद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

नैतिकता मूल्यों के सापेक्ष किसी व्यक्ति के आचरण का परीक्षण होता है।

– समाज द्वारा अपनी परिस्थिति के अनुरूप, अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न मूल्यों व आदर्शों का निर्माण किया जाता है, जो व्यक्ति के आचरण का मानक बनता है।

उदा कोविड महामारी के दौरान सोनू सूद द्वारा प्रवासी मजदूरों की सहायता

मानवीय कार्यों में नीतिशास्त्र के निर्धारक

1. मूल्यों का विकास और सोपानक्रम

विभिन्न इकाइयों द्वारा

- प्राथमिक
  - माँ-पिता
  - शिक्षक
- द्वितीयक
  - समाज
  - मित्र

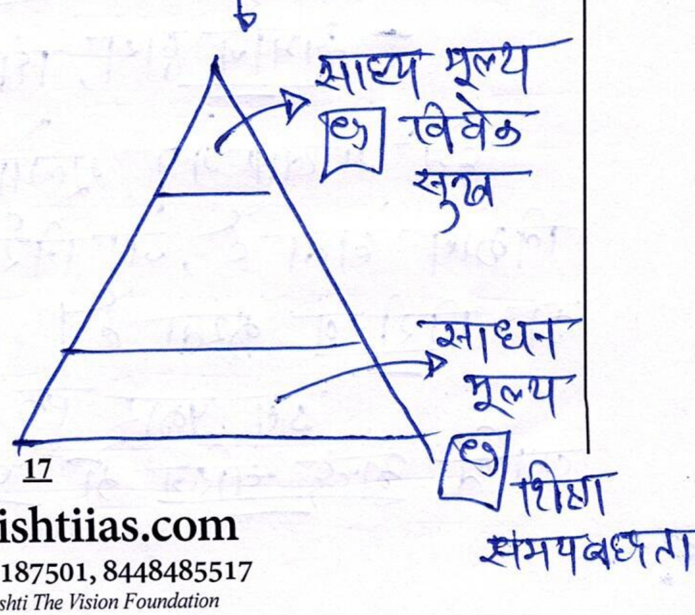

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. दण्ड व पुरस्कार संस्थान की उपस्थिति

↓ अनैतिक गतिविधियों पर दण्ड मिलने पर इसमें कमी
↓ [eg] स्वर्ग - नरक का सिद्धांत
[eg] सामाजिक बहिष्कार व उपहास

↓ नैतिक गतिविधियों में पुरस्कार की प्राप्ति
[eg] APJ अब्दुल कलाम आजाद → पूर्व राष्ट्रपति

4. अंतरात्मा की आवाज

"उपस्थित न्यायालयों में भी सबसे ऊपर एक न्यायालय है, जो कि मेरी अंतरात्मा है।
- गांधी जी"

- समाज द्वारा, शिक्षण संस्थाओं द्वारा हमें सीखाए गये मूल्यों से अंतरात्मा का विकास होता है, जो निरंतर हमारे गतिविधियों का निरीक्षण करता है।

इस प्रकार एक उच्च मूल्य से बना व्यक्ति अच्छे चरित्र को प्रदर्शित करता है जिसे समाज उच्च स्थान प्रदान करता है।

Feedback
(For official use only)

Introduction	
Content	
Structure & Presentation	
Value Addition	
Conclusion	
Marks Obtained	

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Feedback
(For official use only)

Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य हेतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य हेतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य हेतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य हेतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य हेतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Feedback
(For official use only)

Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Feedback

(For official use on

Introduction
Content
Structure & Presentation
Value Addition
Conclusion
Marks Obtained

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation